Arvind N. Mafatlal (1923-2011)

Shri Arvind N. Mafatlal was born on October 27, 1923, in Ahmedabad, Gujarat, India. Educated at St. Xavier's High School and Sydenham College, Mumbai, he was the proud heir to a great business legacy, founded in 1905 by his entrepreneur grandfather Shri Mafatlal Gagalbhai.

Shri Arvind Mafatlal took over the reins of the Mafatlal Group of Companies in 1955, and spearheaded its progress with bold and innovative ideas, perseverance and brilliant strategy.

Between 1963 and 1968, he set up India's first integrated petrochemical complex through two pioneering joint venture companies - NOCIL, in partnership with Royal Dutch Shell Co. of Netherlands/UK and Polyolefins Industries Ltd (PIL) in partnership with Hoechst AG of Germany, a world leader in chemicals.

In the same period, two additional pioneering chemical ventures, Standard Alkalies Ltd and Navin Fluorine Industries were also set up. In the years to come, he raised the textile business of the Group to new heights of glory, and was hailed as a leader and trendsetter in the industry.

As the Chairman of Shri Sadguru Seva Sangh Trust set up by his Gurudev in 1968, Shri Arvind Mafatlal focused on providing vital health services in tribal and rural areas, and contributed tirelessly to relief and rehabilitation work during natural calamities. His 'Sukhadi Programme' which aimed to assuage the hunger of those stricken by debilitating droughts and famines, saved the lives of millions in the remote corners of Maharashtra and Gujarat. The Sadguru Trust also established a number of eye care hospitals and schools in the interiors of Uttar Pradesh and Madhya Pradesh, and has carried out more than 1.1 million eye surgeries and post-operative care.

From the late sixties onwards, he brought his dynamism and farsightedness to bear on the activities of BAIF (Bharatiya Agro Industries Foundation). In 1977, he was nominated as Chairman, BAIF. He served in this position until his demise. Inspired by Mahatma Gandhi's vision for gram-rajya in an independent India, he, along with Manibhai, helped BAIF execute exemplary projects in community development and relief, sustainable rural development and food security.

Shri Arvind Mafatlal held various important positions in prestigious financial institutions, such as Director in State Bank of India and Director in Industrial Development Bank of India. He was the recipient of prestigious accolades like the Durga Prasad Khaitan Memorial Gold Medal (1966), the Business Leadership Award of Madras Management Association (1971), the Indian Merchants' Chamber Award (1975), the Sir Jehangir Ghandy Gold Medal for Industrial Peace of XLRI, Jamshedpur (1978), the Honour of Maharashtra Economic Development Council (1985), the Lions' Humanitarian Award by the International Association of Lions Clubs (USA for sight-related activities (1993), and the Rotary Club of Bombay's 'Citizen of Bombay' Award for the year 1995.

On October 30th, 2011, at Chitrakoot in Madhya Pradesh, Shri Arvind N. Mafatlal left his body. He played an important role in the post independence growth of the country. Through his foresight, brilliant strategy and vision he not only spearheaded the Mafatlal group but also inspired countless young minds. He was also an ardent social reformer. To achieve his social vision of improved quality of life for the underprivileged he founded BAIF, which used modern technology and focussed research and development to improve the livelihood of tribals and landless. He was also a great proponent of women empowerment.

Department of Posts is pleased to issue Commemorative Postage Stamp on 100th Birth Anniversary of Arvind N. Mafatlal and salutes his zeal for entrepreneurship, industrial development and social welfare.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure	:	Sh Brahm Prakash
Cancellation Cachet	:	Smt. Nenu Gupta
Text	:	Referenced from content provided by Proponent

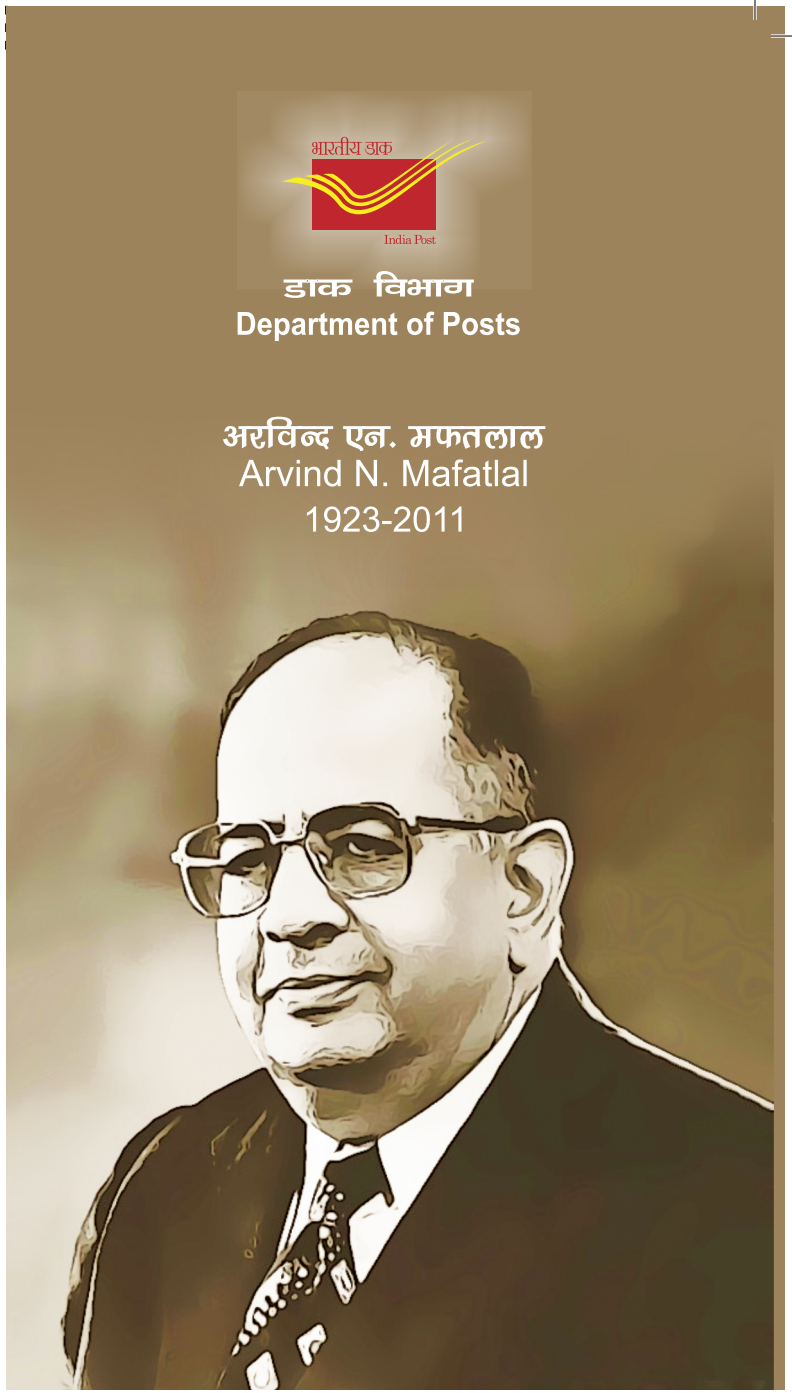

विवरणिका BROCHURE

अरविन्द एन. मफतलाल (1923-2011)

श्री अरविन्द एन. मफतलाल का जन्म 27 अक्तूबर, 1923 को अहमदाबाद, गुजरात, भारत में हुआ। उनकी शिक्षा–दीक्षा सेंट जेवियर हाई स्कूल और सिडन्हॅम कॉलेज, मुंबई से हुई। श्री अरविन्द, एक विख्यात उद्यमी संगठन के गौरवान्वित उत्तराधिकारी थे, जिसकी स्थापना उनके दादा और प्रसिद्ध व्यवसायी, श्री मफतलाल गगलभाई द्वारा वर्ष 1905 में की गई थी।

श्री अरविन्द मफतलाल ने वर्ष 1955 में मफतलाल समूह की बागडोर संभाली और अपने साहसिक एवं नवोन्मेषी विचारों, दृढ़ निश्चय और उत्कृष्ट कार्यनीति से इस समूह को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाया।

वर्ष 1963 से 1968 के बीच, श्री अरविन्द ने दो अग्रणी संयुक्त उद्यम कंपनियों के माध्यम से भारत के पहले इंटीग्रेटेड पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की स्थापना की। इनमें से एक कंपनी एनओसीआईएल की स्थापना, नीदरलैंड/यूके की रॉयल डच शेल कंपनी के साथ साझेदारी से और पोलीयोलूफिन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (पीआईएल) की स्थापना, केमिकल्स के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी जर्मन कंपनी, होएस्ट एजी के साथ साझेदारी से की।

इसी अवधि के दौरान श्री अरविन्द ने दो अन्य अग्रणी केमिकल उद्यमों, स्टैण्डर्ड अल्केलिज लि. और नवीन फ्लूओरीन इंडस्ट्रीज की स्थापना भी की। तत्पश्चात् आने वाले वर्षों में उन्होंने इस समूह के टेक्सटाइल कारोबार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इसीलिए, उन्हें इस उद्योग के अग्रगामी और पथप्रदर्शक व्यक्तित्व के रूप में जाना जाता है।

श्री अरविन्द मफतलाल ने अपने गुरुदेव द्वारा वर्ष 1968 में स्थापित श्री गुरुदेव सेवा न्यास के अध्यक्ष के रूप में आदिवासी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केन्द्रित किया। उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं पुनर्वास कार्यों में भी अथक योगदान किया। श्री अरविन्द द्वारा 'सुखड़ी कार्यक्रम' की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य भयंकर सूखे और अकाल से पीड़ित लोगों की भूख–प्यास मिटाना था। इस कार्यक्रम ने महाराष्ट्र और गुजरात के दूरस्थ क्षेत्रों में लाखों लोगों को काल का ग्रास बनने से बचाया। सद्गुरु न्यास ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के अंदरूनी इलाकों में आंखों के अनेक अस्पतालों की स्थापना भी की, जहां 11 लाख से अधिक सफल ऑपरेशन किए गए और तत्पश्चात देख–भाल भी सुनिश्चित की गई।

छठवें दशक के उत्तरार्ध से, श्री अरविन्द ने बीएआईएफ (भारतीय एग्रो इंड़स्ट्रीज फाउंडेशन) के कार्यकलापों में अपनी सक्रियता और दूरदर्शिता का परिचय दिया। वर्ष 1977 में उन्हें बीएआईएफ का अध्यक्ष नामित किया गया। श्री अरविन्द ने जीवनपर्यन्त इस पद पर अपनी सेवाएं दीं। स्वतंत्र भारत में ग्रामराज्य के गांधी जी के सपने से प्रेरित श्री अरविन्द ने श्री मनीभाई के साथ मिलकर सामुदायिक विकास और राहत कार्यों के साथ–साथ सतत ग्रामीण विकास एवं खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय परियोजनाएं भी कार्यान्वित की।

श्री अरविन्द विभिन्न प्रतिष्ठित वित्तीय संस्थाओं में भी महत्वपूर्ण पदों पर आसीन रहे, जैसे भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय उद्योग विकास बैंक के निदेशक के पद पर। उन्हें विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया जैसे दुर्गा प्रसाद खेतान मेमोरियल स्वर्ण पदक (1966), द बिजनेस लीडरशिप अवार्ड ऑफ मद्रास मैनेजमेंट एसोसिएशन (1971), द मर्चेन्ट्स चेम्बर अवार्ड (1975), द सर जहांगीर गांधी गोल्ड मेडल फॉर इंड़स्ट्रियल पीस ऑफ एक्सएलआरआई, जमशेदपुर (1978), द ऑनर ऑफ महाराष्ट्र इक्नॉमिक्स डेवलपमेंट काउंसिल (1985), आंखों के उपचार संबंधी कार्यकलापों के लिए द लायंस ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड बाय द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब, यूएसए (1993) और वर्ष 1995 का द रोटरी क्लब ऑफ बाम्बे का 'सिटिजन ऑफ बाम्बे' अवार्ड।

30 अक्तूबर, 2011 को श्री अरविन्द एन. मफतलाल का मध्य प्रदेश के चित्रकूट में निधन हो गया। श्री अरविन्द ने स्वतंत्रता के पश्चात देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी दूरदर्शिता, कुशल कार्यनीति और विजन के माध्यम से न केवल मफतलाल समूह को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया, बल्कि वे कई युवाओं के भी प्रेरणा स्रोत रहे। वे एक कट्टर समाज सुधारक भी थे। श्री अरविन्द ने समाज के वंचित वर्ग के जीवन स्तर में सुधार लाने के अपने सामाजिक विजन को पूरा करने के लिए बीएआईएफ की स्थापना की। यह फाउंडेशन, आधुनिक प्रौद्योगिकी और सुकेंद्रित अनुसंधान व विकास के माध्यम से आदिवासियों और भूमिहीनों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करती है। श्री अरविन्द, महिला सशक्तीकरण के भी बड़े समर्थक थे।

डाक विभाग, श्री अरविन्द एन. मफतलाल की जन्मशती पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है और उद्यमशीलता, औद्योगिक विकास तथा समाज कल्याण के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता है।

आभार :

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका : श्री ब्रह्म प्रकाश

विरूपण कैश : श्रीमती नीनू गुप्ता

पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त सामग्री के आधार पर

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 2000 पैसे
Denomination	: 2000 p
मुद्रित डाक टिकटें	: 301600
Stamps Printed	: 301600
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

©डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

©Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00